हार के कारणों पर मंथन के लिए भाजपा मुख्यालय में बैठकों का दौर शुरु

बैठकों का दौर आज रविवार को भी जारी रहेगा

जयपुर, 15 जून (का.सं.)। लोकसभा चुनाव 2024 में भाजपा के मिशन 25 को प्रदेश में झटका लगा और पार्टी 14 सीटों पर सिमट गई। राजस्थान के चुनाव परिणाम ने प्रदेश से लेकर दिल्ली तक पार्टी के शीर्ष नेताओं की नींद उड़ा दी। अब, प्रदेश में 11 सीटों पर मिली हार को लेकर शनिवार दोपहर से मंथन का दौर शुरू हुआ है जो रविवार को खत्म होगा। इन बैठकों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी शामिल हुए। हालांकि, मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा भाजपा मुख्यालय में शाम को पहुंचे और चूरु लोकसभा सीट को लेकर हो रही बैठक में शामिल हुए। मंथन के बाद भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी ने बताया कि, बैठकों में चुनावों के साथ-साथ पार्टी के आगामी कार्यक्रमों के बारे में भी चर्चा की गई। आज लोकसभा सीटों पर भी चर्चा हुई, जो कल भी जारी रहेगी।

लोकसभा चुनाव के खराब नतीजों के संदर्भ में भाजपा में बैठकों एवं मंथन का दौर शनिवार को शुरु हुआ। बैठकें भाजपा प्रदेश मुख्यालय में आयोजित हो रही हैं तथा रविवार को भी जारी रहेंगी। शनिवार शाम को हुई बैठकों में मुख्यमंत्री भी शामिल हुए, जिनमें लोकसभा प्रभारी एवं सांसद प्रत्याशियों सहित तमाम भाजपा पदाधिकारियों से चर्चा की गई।

- **बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी व कई अन्य नेता शामिल हुए।**
- **बैठकों के बाद तैयार रिपोर्ट दिल्ली भेजी जाएगी।**
- **बैठक में हरेक लोकसभा सीट का पूरा फीडबैक लिया गया।**
- **बैठक में डॉ. किरोड़ीलाल मीणा और कैलाश चौधरी की गैर मौजूदगी चर्चा का विषय बनी रही।**

प्रदेश में पिछले दो लोकसभा चुनावों में भाजपा ने राजस्थान में सभी 25 सीटों पर जीत हासिल की थी। इस बार भी पार्टी इसी मंशा के साथ "मिशन 25" बनाकर आगे बढ़ी, लेकिन चुनाव परिणाम को देख पार्टी के नेता हैरान रह गए। पच्चीस सीटों पर जीत के दावों के बीच पार्टी को 14 सीटों पर संतोष करना पड़ा है। वहीं, 11 सीटें कांग्रेस गठबंधन के पास गई हैं। इसके बाद केंद्रीय नेतृत्व ने हार के कारणों की रिपोर्ट मांगी, इसलिए प्रदेश के बड़े नेता सीटों पर मिली हार का मंथन करने में जुट गये हैं।

शनिवार को नागौर, टोंक-सवाई माधोपुर, चुरू, बाड़मेर, झुंझुनूं, सीकर लोकसभा सीटों पर मिली हार के कारणों की समीक्षा की गई। रविवार को भरतपुर, करौली-धौलपुर, डूंगरपुर-बांसवाड़ा, दौसा, गंगानगर सीटों की समीक्षा की जाएगी। इसके आधार पर तैयार रिपोर्ट केंद्रीय नेतृत्व को भेजी जाएगी।

भाजपा मुख्यालय में हुई इस बैठक में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी के साथ लोकसभा चुनाव प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे, राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री वी सतीश, सह प्रभारी विजया राहटकर मौजूद थीं। बैठक में लोकसभा सीट के बारे में जिला अध्यक्ष, लोकसभा प्रभारी, सांसद प्रत्याशी सहित तमाम पदाधिकारियों से चर्चा की गई। एक-एक लोकसभावार पूरा फीडबैक लिया गया। बैठक में कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी नहीं पहुंचे।

मोदी वाराणसी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निधि केन्द्र सरकार की योजना है जिसका शुभारम्भ 24 फरवरी 2019 को समस्त भूमिधारक किसानों की वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किया गया था। यह योजना कुछ उच्च आय वर्ग के किसानों को छोड़कर अन्य पर लागू है। उन्होंने कहा कि इस योजना में लाभार्थियों का पंजीकरण करने व उनका सत्यापन करने में पूर्ण पारदर्शिता बरती गई है और भारत सरकार अब तक इस स्कीम में 3.04 लाख करोड़ रूपये भी वितरित कर चुकी है व अब तक 11 करोड़ किसानों को संपूर्ण देश में इसका फायदा मिल चुका है और अब जो राशि जारी की जा रही है, उसके बाद जब से यह योजना शुरु की है।

लाथार्थियों को स्थानान्तरित कुल राशि की रकम 3.24 लाख करोड़ रूपये का आंकड़ा पार कर जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने तीन करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का संकल्प किया, उक्त में से एक करोड़ लखपति दीदियां पहले ही बनाई जा चुकी हैं, अब 2 करोड़ और बनानी शेष हैं। कृषि सखी उसी का एक आयाम है।

लंग कैंसर सूंघ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इंजीनियरिंग से असिस्टैंट प्रोफेसर देबजित साहा ने बताया कि मधुमक्खियों की सूंघने की क्षमता कुत्ते जैसी ही अद्भुत होती है।

साहा व उनकी टीम देखना चाहती थी क्या मधुमक्खी इंसान की सांस में मौजूद रसायनों की पहचान कर सकती हैं, खासकर फेफड़ों कैंसर से पीड़ित व्यक्ति व सामान्य व्यक्ति की सांस में मौजूद रसायनों में अंतर कर सकती है।

साहा ने कहा कि मधुमक्खी सांस में मौजूद रसायनों की मात्रा में बेहद मामूली परिवर्तन को भी चिन्हित कर सकती है। यह शोध बायोसैंसर्स एण्ड बायो इलैक्ट्रॉनिक्स जर्नल में छपा है।

मु.मंत्री भजनलाल के 6 माह पूरे, महत्वपूर्ण निर्णय लिया

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के अधिकारी व कर्मचारी कैडर के सेवा नियमों संबंधी प्रस्तावों को मंजूरी दी

- **इस निर्णय से बोर्ड के सेवा नियम निर्धारित हो सकेंगे और बोर्ड कर्मचारी कैडर के चयन की राह खुलेगी, इससे बोर्ड को मजबूती मिलेगी।**
- **राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड को गठित हुए दस साल हो चुके हैं, पर, अभी तक भी इसके सेवा नियम नहीं बने थे।**

जयपुर, 15 जून (का.सं.)। युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भर्ती प्रक्रियाओं को सुगम, पारदर्शी एवं समयबद्ध बनाने के लिए राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के अधिकारी एवं कर्मचारी काडर के सेवा नियमों से संबंधित प्रस्तावों को मंजूरी दी है।

शर्मा ने राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (राजपत्रित) सेवा नियम, 2024 एवं राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (मंत्रालयिक एवं अधीनस्थ) सेवा नियम, 2024 का अनुमोदन किया है। साथ ही राजस्थान अधीनस्थ एवं मंत्रालयिक सेवाएं (सामान्य पात्रता परीक्षा) नियम, 2022 में आवश्यक संशोधन के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी है। मुख्यमंत्री के इस निर्णय से बोर्ड के सेवा नियमों के निर्धारण की राह खुलने के साथ ही बोर्ड के कार्मिक वर्ग के चयन में सुगमता आएगी। कर्मचारी चयन बोर्ड के सशक्त एवं स्वतंत्र होने से पारदर्शी एवं समयबद्ध भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित हो सकेगी।

उल्लेखनीय है कि, राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के गठित होने के साथ ही पिछले 10 वर्षों में बोर्ड के अधिकारी एवं कर्मचारी काडर के लिए सेवा नियम नहीं बनाये गए, जिससे पदों की स्वीकृति, भर्ती, पदोन्नति, वरिष्ठता एवं वेतन भत्तों के निर्धारण आदि के कार्य सुचारू रूप से नहीं हो पा रहे थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विभिन्न विभागों के वाहन चालकों के पदनाम में एकरूपता लाते हुए शैक्षिणक योग्यता के सेवा नियमों में संशोधन संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दी है। इस संबंध में वाहन चालक पद के लिए आवश्यक शैक्षणिक योग्यता आठवीं से अपग्रेड करते हुए सैकेण्डरी या समकक्ष किए जाने का निर्णय लिया गया है।

शर्मा के इस निर्णय से भविष्य में वाहन चालकों की भर्ती के लिए राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा एवं ट्रेड टेस्ट का आयोजन किया जा सकेगा। इससे सुगम एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के जरिए कुशल वाहन चालकों का चयन किया जा सकेगा।

'हमारी जीत की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एमवीए महाविकास अघाड़ी के लिए राजनीतिक माहौल बनाने के लिए धन्यवाद देते हैं।" अभी हाल ही में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनावों में कांग्रेस ने 13 सीटों पर विजय पाई है, ओर प्रदेश में 2019 के मुकाबले संख्या में काफी वृद्धि हुई है, जबकि शिव सेना (यूबीटी) ने नौ एवं एनसीपी (एसपी) ने आठ सीटों पर जीत दर्ज की है। आम चुनावों के सीट-बंटवारे के समझौते, उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी को तीनों दलों की तुलना में सबसे ज्यादा मिली थी। लोकसभा की 48 सीटों में से शिव सेना (यूबीटी) ने 21 सीटों पर चुनाव लड़ा, उसके बाद कांग्रेस ने 17 सीटों पर तथा एनसीपी (एसपी) ने 10 सीटों पर। यदि तुलना करें तो सत्तारूढ़ महायुति 17 सीटें जीतने में सफल हुई है और भाजपा नीचे गिर कर 23 सीट से 9 पर चुनाव जीती है उसने 2019 में 23 सीटें जीती थी। एकनाथ शिन्दे के नेतृत्ववाली शिव सेना ने कुल 7 सीटें प्राप्त की है, जबकि अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी को इस चुनाव में केवल एक सीट प्राप्त हुई है।

पांच सौ वंदे भारत, अमृत भारत ट्रेनें चलेंगी पांच साल में

- **रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि, वंदे भारत ट्रेन का स्लीपर संस्करण तैयार हो चुका है, इसके साथ ही देश में रेलवे ट्रैक का विस्तार डेढ़ लाख किलोमीटर तक कर दिया जायेगा।**

नयी दिल्ली 15 जून (वार्ता) भारतीय रेलवे अगले पांच साल के भीतर 250 से अधिक वंदे भारत एक्सप्रेस और 300 से अधिक अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें चलाएगी और देश में रेलवे पटरियों की लंबाई डेढ़ लाख ट्रैक किलोमीटर से अधिक हो जाएगी।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज यहां पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस का स्लीपर संस्करण का ढांचा बन चुका है और अब साजसज्जा की जा रही है। दो माह के भीतर इसके ट्रायल यानी परीक्षण शुरू हो जाएंगे। अगले छह माह के भीतर ये गाड़ी पटरियों पर दौड़ने लगेगी। उन्होंने कहा कि वंदे भारत के मौजूदा चेयरकार संस्करण के परिचालन के अनुभवों के आधार पर निरंतर सुधार की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि वंदे भारत के स्लीपर संस्करण में गुरुत्वाकर्षण का केन्द्र ऊंचा होने के कारण उसे संतुलित करने के लिए नीचे के बेस को भारी बनाना जरूरी है।

वंदे भारत के स्लीपर संस्करण और चेयरकार के नये संस्करण में मोटर की डिज़ायन और बोगी की डिज़ायन में सुधार किया गया है और मोटर में धूल मिट्टी और पत्थर आने की समस्या का समाधान किया गया है।

'न मैं स्पीकर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बिहार में एन.डी.ए. जीत भी जाती है तो भी भाजपा को नीतिश कुमार और उनकी पार्टी जद (यू) के साये में रहना होगा और अपनी सरकार बनाने के लिए अगले पांच साल तक प्रतीक्षा करनी पड़ेगी।

हालांकि, नीतीश ने अपनी पार्टी को दिए गए विभागों पर या स्पीकर के पद पर कोई शोर नहीं मचाया है, पर बिहार में शीघ्र चुनाव के लिए उन्होंने लॉबीइंग शुरु कर दी है।

समझा जाता है कि उन्होंने अपना मत प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को बता दिया है चूंकि भाजपा नेता इस मुद्दे पर चुप हैं इसलिए कुमार ने ओडिशा व आंध्र प्रदेश के शपथ ग्रहण समारोहों में नहीं जाकर अपनी नाराजगी जता दी है।

राज्यसभा में और मजबूत होगी एन.डी.ए., 10 सीटों पर चुनाव होंगे

- **चुनावाधीन 10 में से 7 सीटों को भाजपा पुनः हासिल कर लेगी तथा संकेत है कि, बिहार, राजस्थान और महाराष्ट्र की तीन सीटें भी भाजपा को मिल सकती हैं।**

नई दिल्ली, 15 जून। लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को भले ही फायदा नहीं हुआ हो, लेकिन अब जो राज्यसभा के उपचुनाव होने वाले है उनमें बड़े फायदे के आसार बन रहे हैं। सासदों के चुनाव जीतने के कारण राज्यसभा की 10 सीटें खाली हो गई हैं। अब इन सीटों पर उपचुनाव होने वाले हैं, जिनमें एन.डी.ए. को भारी सफलता मिलने की उम्मीद है। ये सभी 10 की 10 सीटें एन.डी.ए. के हिस्से में जाने की संभावना है, क्योंकि इन राज्यों में एन.डी.ए. की सरकारें हैं। एक और सीट का उपचुनाव महाराष्ट्र में भी होना है। वह भी एन.डी.ए. के हिस्से में ही जाएगी।

लोकसभा चुनाव जीतने वाले राज्यसभा के 10 में से सात सांसद भाजपा के हैं। इनमें महाराष्ट्र के उदयन राजे भोंसले और पीयूष गोयल, त्रिपुरा में विप्लव देव, मध्य प्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया, बिहार में विवेक ठाकुर, असम में कामाख्या प्रसाद ताशा और सर्वानंद सोनवाल शामिल हैं। भाजपा एक बार फिर इन सभी सीटों को अपने पास ही रखेगी और उसकी जीत भी लगभग तय है। इसके अलावा राजस्थान की कांग्रेस की केसी वेणुगोपाल की सीट भी भाजपा के पास जाएगी। बिहार में राजद की मीसा भारती की खाली की हुई राज्यसभा सीट भी अब एन.डी.ए. के हिस्से में जाएगी। यह सीट जदयू के हिस्से में जा सकती है। हरियाणा में कांग्रेस के दीपेंद्र हुड्डा के लोकसभा सांसद चुने जाने से रिक्त हुई सीट पर राज्य में भाजपा की सरकार होने से उसे मिलने की संभावना है, लेकिन राज्य में जिस तरह से जजपा के समर्थन वापस लेने के बाद भाजपा सरकार निर्दलीय विधायकों के भरोसे पर चल रही है, उसे देखते हुए यहां पर चुनाव की स्थिति भी बन सकती है।

महाराष्ट्र की एक और राज्यसभा सीट के उपचुनाव में एन.डी.ए. को ही जीत मिलेगी। यह सीट प्रफुल्ल पटेल के पिछले कार्यकाल के पूरा होने से पहले ही इस्तीफा देने से रिक्त हुई थी। बाद में प्रफुल्ल पटेल पूरे कार्यकाल वाली सीट से चुनकर राज्यसभा में आए थे।

आर्टिफिशल इंटैलिजैंस से बने डीपफेक वीडियोज़ पर लगाम लगायेगी मोदी सरकार

यूट्यूब, फेसबुक और दूसरे विडीयो प्लेटफार्मों को रेगुलेट करने के लिए भी मोदी सरकार आगामी संसदीय सत्र में कड़ा कानून ला सकती है

नई दिल्ली, 15 जून। 2024 लोकसभा चुनाव जीतकर सत्ता में आई मोदी सरकार आने वाले लोकसभा के सत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बनाए हुए डीपफेक विडियो और फोटोज पर नजर रखने के लिए डिजिटल इंडिया बिल लाने की तैयारी में हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सरकार की तरफ से लाए जाने वाले इस बिल में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को और बेहतर तरीकों से इस्तेमाल करने के पर भी ध्यान देने का प्रयास किया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार इस बिल का नाम डिजिटल इंडिया होगा। सरकार इस बिल को सदन में पेश करने से पहले सभी पार्टियों के साथ इस पर सहमति बनाने का प्रयास करेगी। आगामी लोकसभा सत्र में डीपफेक के अलावा यूट्यूब, फेसबुक और दूसरे विडीयो प्लेटफार्मों को रेग्यूलेट करने के लिए भी कानून आ सकता है।

लोकसभा का अगला सत्र जो कि 18वीं लोकसभा का पहला सत्र होगा। यह 24 जून से शुरू होगा और 3 जुलाई तक चलेगा, फिर उसके बाद 22 जुलाई से मॉनसून सत्र शुरू होगा जो कि 9 अगस्त तक चालू रहेगा। इस साल की शुरूआत में केंद्रीय राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने भी इस बिल के बारे में संकेत किया था। चंद्रशेखर ने तब कहा था कि हम इस बारे में सोच रहे हैं और इसको नई सरकार द्वारा लागू किया जाएगा। क्योंकि मुझे नहीं लगता कि हम चुनाव के पहले इस बिल को लेकर तैयार हो पाएंगे। यह बिल सदन में पेश करने से पहले हमें कई चीजों को देखना होगा, कई मुद्दों पर सलाह लेनी होगी तब जाकर हम इसे सदन में लाने के लिए तैयार हो पाएंगे।

डीपफेक एक टेक्नोलॉजी है जिसने कुछ समय से लगातार लोगों के मन में संदेह पैदा किया है। भ्रमित करने वाला कंटेंट और लोगों कि प्रायवेसी को भंग करने वाली यह टेक्नोलॉजी लगातार सरकार के लिए चिंता का विषय बनी हुई थी।

लोकसभा चुनावों के पहले चुनाव आयोग ने भी डीपफेक को लेकर अपनी चिंता जताई थी। फिल्म अभिनेत्री रश्मिका मंधाना की एक डीपफेक विडियो वायरल हुई थी जिसके बाद सभी ने इसको लेकर चिंता जताई थी।

मध्यप्रदेश में 50 बाल श्रमिक शराब फैक्टरी में काम करते पाये गये

भोपाल, 15 जून। मध्य प्रदेश, भोपाल के पास स्थित रायसेन जिले में शनिवार को पुलिस ने सोम डिस्टिलरी नाम की शराब फैक्ट्री में छापा मारा, यहां पर शराब बनाने के काम में 50 से ज्यादा बच्चे काम करते पाए गए। जिसके बाद इस मामले में पुलिस ने एफ.आई.आर. दर्ज कर ली है। यह कार्रवाई राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष से मिली शिकायत के बाद पुलिस ने की। इसके बारे में जानकारी देते हुए राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने कहा, हमें बचपन बचाओ आंदोलन एनजीओ से शिकायत मिली थी कि मध्य प्रदेश के रायसेन जिले के सेहतगंज में सोम डिस्टलरी नाम की एक शराब फैक्ट्री में बच्चों से मजदूरी कराई जा रही है।

ट्रैवल्स बस नदी में गिरी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चालक को नींद की झपकी आना बताया जा रहा है। शुक्रवार रात को टेंपो ट्रेवलर 26 यात्रियों को लेकर दिल्ली से चोपता तुंगनाथ के लिए निकला था। शनिवार सुबह लगभग 11.20 बजे रुद्रप्रयाग जिले में रैतोली के पास टैंपो ट्रेवलर पांच सौ फिट नीचे अलकनंदा में गिर गया।

वाहन के नदी में गिरते ही यात्रियों में चीख पुकार मच गई। इस दौरान समीप ही रेलवे लाइन में काम कर रहे मजदूर भी बचाव के लिए घटना स्थल की ओर दौड़ पड़े। घटना की खबर मिलते ही पुलिस अधीक्षक विशाखा अशोक भदाणे, पुलिस उपाधीक्षक प्रबोध कुमार घिल्डियाल, अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, उप जिलाधिकारी आशीष घिल्डियाल, एआरटीओ प्रमोद कर्नाटक मौके पर पहुंच गए। मौके पर 10 लोगों की मौत हो चुकी थी। एम्बुलेंस की मदद से 16 घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। जहां उपचार के दौरान 2 लोगों की मौत हो गई। जबकि 7 गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद गुलबाराय मैदान से अलग-अलग हेलीकॉप्टरों की मदद से ऋषिकेश एम्स भेजा गया।

टेंपो ट्रैवलर में सवार लोग एमपी के भोपाल और झांसी, यूपी के नोयडा, और दिल्ली आदि शहरों के रहने वाले थे। सभी पयर्टक दिल्ली से टेंपो ट्रैवलर से चोपता तुंगनाथ जा रहे थे। रुद्रप्रयाग की पुलिस अधीक्षक विशाखा अशोक भदाणे ने बताया कि ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर सड़क हादसे में 12 लोगों की मौत हुई है।

जबकि 14 घायलों में 7 गंभीर रूप से घायल यात्रियों को एम्स ऋषिकेश एयरलिफ्ट किया गया है। अन्य 7 घायलों का रुद्रप्रयाग जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। बताया कि हादसे के बाद तुरंत ही रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टैंपो ट्रेवलर तेज गति से चल रहा था।

भ्रष्टाचार के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

2007 के अनुरूप सभी अनुमतियां केन्द्र और राज्य सरकारों से ली गई थी और बी.आर.एस. सरकार ने स्टेट इलैक्ट्रीसिटी रेग्यूलेटरी कमीशन्स (एस.ई.आर.सीज़) के निर्णयों के आधार पर काम किया था। उन्होंने कहा कि एस.ई.आर.सी. एक न्यायिक संस्था है और मुख्यमंत्री रैवन्त रेड्डी को यदि एस.ई.आर.सीज़ के निर्णयां से कोई शिकायत थी तो उन्हें इलैक्ट्रीसिटी अपेलैट ट्रायब्यूनल (ए.पी.टी.ई.एल.) अथवा सुप्रीम कोर्ट की शरण लेनी चाहिए थी।

यू.पी. में दस एम.एल.ए. ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विचार कर रही है। कथेरी विधानसभा सीट पर भी उपचुनाव होगा। यहां के सपा विधायक लालजी वर्मा इस बार अम्बेडकर नगर से सांसद बने है उन्होंने भाजपा प्रत्याशी एवं बसपा के निवर्तमान सांसद रितेश पाण्डे को हराया है। वर्मा एक सीनियर सांसद एवं बसपा के पूर्व नेता हैं। वह विधानसभा में सपा के सर्वाधिक अनुभवी चेहरों में से एक थे। एन.डी.ए. की सहयोगी "निषाद पार्टी" की इस सीट पर नज़र हो सकती है क्योंकि वर्ष 2022 में उसके प्रत्याशी अवधेश कुमार कड़े चुनावी संघर्ष में वर्मा से हार गए थे। इतना ही नहीं उसके एक अन्य नेता एवं माजवां से विधायक विनोद कुमार बिंद भाजपा टिकट पर भदोही लोकसभा सीट से जीते हैं।

उप चुनावों वाली एक अन्य सीट है मुरादाबाद की कुण्डार्की जिसके सपा विधायक ज़िया-उर-रहमान अब सपा के टिकट पर ही सम्भल लोकसभा सीट से निर्वाचित हुए हैं। भाजपा के लिए खैर विधानसभा सीट भी महत्वपूर्ण होगी। यहां के निवर्तमान विधायक एवं राज्य के राजस्व मंत्री अनूप प्रधान वाल्मिकि हाथरस की (अजा-सुरक्षित) लोकसभा सीट से विजयी हुए हैं।

विधायक रहते हुए लोकसभा चुनाव जीते भाजपा के अन्य नेता भी अपनी विधानसभा सीटें रिक्त करेंगे। इनमें फूलपुर विधानसभा सीट से प्रवीन पटेल और गाजियाबाद विधानसभा सीट से अतुल गर्ग शामिल हैं। पटेल फूलपुर लोकसभा सीट से और गर्ग गाज़ियाबाद लोकसभा सीट से चुनाव जीते हैं। इसके साथ ही राष्ट्रीय लोक दल (आर.एल.डी.) के लिए भी उत्तरप्रदेश के विधानसभा उप चुनाव प्रतिष्ठा का प्रश्न होंगे। यू.पी. में पिछले विधानसभा चुनाव में सपा और आर.एल.डी. गठबन्धन में थे।

आर.एल.डी. ने तब मीरापुर विधानसभा सीट जीती थी। लेकिन वहां के निवर्तमान विधायक चंदन चौहान इस बार भाजपा गठबन्धन के साथ बिजनौर लोकसभा सीट पर विजयी रहे हैं। आर.एल.डी. प्रमुख जयंत चौधरी नई केन्द्र सरकार में मंत्री बन गए हैं, इसलिए पार्टी को जीत दिलाने की जिम्मेदारी अब चन्दन चौहान पर हैं।

अयोध्या के नव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अगर उन्होंने स्पीकर का चुनाव लड़ा तो अयोध्या में भाजपा को हराने वाले सपा सांसद अवधेश प्रसाद को चुनाव लड़ाया जाएगा।

सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने अयोध्या में भाजपा को हराया था, जहाँ भाजपा ने राम मंदिर का भारी प्रचार किया था। दूसरे अवधेश प्रसाद दलित हैं जिससे विपक्ष को मदद मिलेगी।

सूत्रों ने कहा कि स्पीकर का चुनाव लड़कर यह टैस्ट भी हो जाएगा कि विपक्ष के पास कितने सांसद हैं। छोटे दल जैसे जगन मोहन रेड्डी की पार्टी, अन्नाद्रमुक, अकाली दल, बीजू जनता दल आदि एन.डी.ए. में नहीं हैं और इस चुनाव से उनका रूख भी साफ हो जाएगा। और अगर कभी अविश्वास प्रस्ताव पेश करना पड़ा तो इससे विपक्ष को मदद मिलेगी।

कर्नाटक में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अब रविवार से पेट्रोल 3 रुपये प्रति लीटर ज्यादा कीमत पर बेचा जाएगा तथा डीज़ल पर अब 3.02 रुपये ज्यादा भुगतान करना होगा।

सरकारी सूचना अनुसार प्रदेश सरकार ने पेट्रोल पर कर्नाटक सेल्स टैक्स (के. एस. टी.)25.92 प्रतिशत से बढ़ाकर 29.84 प्रतिशत कर दिया तथा डीजल पर यह वृद्धि 14.3 प्रतिशत से बढ़ाकर 18.4 प्रतिशत कर दी है।

इस बीच, भाजपा के नेताओं ने सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के द्वारा सेल्स टैक्स की दरों में वृद्धि करने के निर्णय की कटु आलोचना की है और कहा है कि कांग्रेस का असली चेहरा उजागर हो गया है। केन्द्रीय मंत्री बी.एल. शर्मा ने कहा कि कर्नाटक सरकार आम आदमी बोझ बढ़ाती जा रही है और वो उसके इस बढ़ोतरी की भर्त्सना करते हैं।

भाजपा के प्रवक्ता शहज़ाद पूनावाला ने कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस पार्टी सम्पूर्ण देश में महंगाई की बात कर रही थी और अब उसकी स्वयं प्रदेश सरकार ने ही पेट्रोल व डीजल के दाम बढ़ा दिए हैं।

इटली की प्रेसिडैंट जॉर्जिया मेलोनी और प्र.मंत्री मोदी की सैल्फी ने खूब सुर्खियां बटोरीं

मोदी ने इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्राँ सहित दुनिया के कई नेताओं के साथ बातचीत की

- **इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने अपने फोन से प्र.मंत्री मोदी के साथ सैल्फी ली। इसके अलावा ग्रुप फोटो के दौरान मोदी को मंच पर बीच की महत्वपूर्ण जगह दी गई।**
- **प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ भी अलग से बातचीत की।**

नई दिल्ली, 15 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इटली गए थे, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत हुआ। दुनिया के शीर्ष नेताओं के बीच उनकी दीवानगी भी देखने को मिली। आपको बता दें कि लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद यह उनकी पहली विदेश यात्रा थी। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों सहित दुनिया के कई नेताओं के साथ बातचीत की।

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने उनके साथ सेल्फी भी ली। इसके अलावा ग्रुप फोटो के दौरान उन्हें मच पर बीच की महत्वपूर्ण जगह दी गई।

पीएम मोदी ने शनिवार की सुबह एक्स पर लिखा, अपुलिया में जी7 शिखर सम्मेलन में बहुत ही उपयोगी रहा। विश्व नेताओं से बातचीत की और विभिन्न विषयों पर चर्चा की। साथ मिलकर, हमारा लक्ष्य ऐसे प्रभावशाली समाधान तैयार करना है जिससे वैश्विक समुदाय को लाभ हो और भावी पीढ़ियों के लिए एक बेहतर दुनिया का निर्माण हो। मैं इटली के लोगों और सरकार को उनके गर्मजोशी भरे आतिथ्य के लिए धन्यवाद देता हूं।

प्रधानमंत्री मोदी ने जो बाइडेन के साथ भी अलग से बातचीत की। मोदी-बाइडेन की यह बातचीत वाशिंगटन द्वारा सिख अलगाववादी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश में भारतीय लिंक के आरोपों के करीब सात महीने बाद हुई है। बाइडेन के साथ अपनी बैठक के बाद पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका वैश्विक भलाई को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करते रहेंगे।

अपनी यात्रा के पहले दिन प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की, इटली की पीएम जियोर्जिया मेलोनी और जापानी प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा से भी मुलाकात की।

जी-7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित किया जाना इस बात का संकेत है कि तेजी से बढ़ते चीन का मुकाबला करने की पश्चिम की योजनाओं में भारत को प्रमुखता से जगह दी जा रही है। भारत के अलावा 11 विकासशील देशों के नेताओं को भी आमंत्रित किया था।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908